भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 2332

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 15 दिसंबर, 2025

24 अग्रहायण, 1947 (शक)

तिरूवेरूम्बूर में एरूम्बेश्वर मंदिर का संरक्षण

2332. **श्री दुरई वाइको:**

डॉ. एम. के. विष्णु प्रसाद:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु राज्य में विशेष रूप से तिरूवेरूम्बूर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित एरूम्बेश्वर मंदिर में मंदिरों और प्राचीन स्मारकों जैसे तीर्थ स्थलों में किए जा रहे सौंदर्यीकरण सहित विकास कार्यों का ब्यौरा क्या हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा अनुरक्षित मंदिरों सहित उक्त स्थानों/मंदिरों के पुनरुद्धार, संरक्षण और आगंतुक सुविधाओं के विकास के लिए आवंटित और उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): तमिलनाडु राज्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकार क्षेत्र के तहत मंदिरों सहित 412 केंद्रीय संरक्षित स्मारक/स्थल हैं। इन 412 केंद्रीय संरक्षित स्मारकों/स्थलों का संरक्षण, परिरक्षण, अनुरक्षण और सौंदर्यीकरण किया जाना एक सतत् प्रक्रिया है और यह संसाधनों की आवश्यकता और उपलब्धता के अनुसार किया जाता है। सभी स्मारक/स्थल भली-भांति परिरक्षित हैं। पिछले तीन वर्षों के दौरान तिरुवेरंबूर में इरुम्बीश्वर मंदिर सहित तमिलनाडु राज्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किए गए सौंदर्यीकरण कार्यों सहित विकास कार्यों का विवरण अनुबंध-I में दिया गया है।

(ग): पिछले तीन वर्षों और चालू वित्त वर्ष के दौरान मंदिरों सहित इन 412 स्मारकों के संरक्षण, परिरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए आवंटित और उपयोग की गई राशि का विवरण नीचे दिया गया हैः -

क्र. सं.	वर्ष	आवंटन	व्यय
1.	2022-23	19.95	19.95
2.	2023-24	22.50	22.50
3.	2024-25	18.95	18.94
4.	2025-26	20.00	12.42 (दिनांक 21.11.2025 तक)

अनुबंध-।

लोक सभा में दिनांक 15.12.2025 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 2332 के भाग (क) एवं (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

तिरुवेरुम्बुर के एरुम्बेश्वर मंदिर समेत तमिलनाडु राज्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किए गए विकासात्मक कार्यों और सौंदर्यीकरण के कार्यों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

2022-23

क्रम सं.	**स्मारक/स्थल का नाम**	**सौंदर्यीकरण सहित किए गए विकास कार्य**
1	शिव मंदिर, निरपलानी	फर्श पर पत्थर बिछाया गया है।
2	जैन मूर्ति और जैन मंदिर, लेचुमनपट्टी के अवशेष	ग्रिल फेंसिंग के साथ छोटी दीवार बनाई गई।
3	शिव मंदिर, पनंगुडी	
4	जैन तीर्थंकर की मूर्ति, अलंगुडीपट्टी (तेन्नाथिरायनपट्टी गांव)	
5	विलपति , कोडईकनाल में महापाषाण	
6	अमनमलाई या समनारमलाई , कीलाकुयिलकुडी के वट्टेलुट्टू में शिलालेखों के साथ जैन प्रतिमाओं की चट्टान को काटकर बनाई गई नक्कासीदार आकृतियाँ	बंद किए जाने वाला सुरक्षा केबिन।
7	प्रागैतिहासिक अवशेष, आदिचनल्लूर	उत्खनन स्थल हेतु आश्रय ।

2023-24

क्रम सं.	**स्मारक/स्थल का नाम**	**सौंदर्यीकरण सहित किए गए विकास कार्य**
1	पल्लवनेश्वर में बौद्ध विहार और मंदिर के उत्खनन से मिले अवशेष मेलैयूर (कावेरीपट्टिनम)	**पत्थर की बेंच, सोलर लाइट, दिशा बताने वाले संकेतक, पत्थर की पुश्तादीवारी की गई।**
2	बृहदीश्वर मंदिर, गंगईकोंडा चोलपुरम (कुरुवलप्पार कोविल का गांव)।	संकेतक, कूड़ादान, पत्थर की बेंचें उपलब्ध करवाई गईं ।
3	राजेंद्रचोलीश्वरम मंदिर, पोन्नमारवती , पुदुक्कोट्टई	प्रवेश पर खुले मूल फर्श के स्तर पर पत्थर बिछाया गया और मरम्मत की गई।
4	प्रागैतिहासिक अवशेष, आदिचनल्लूर	उद्यान का विकास और सौंदर्यीकरण
5	जैन मूर्ति जिसे पलुप्पार कहा जाता है , जयनकोंडा-चोलपुरम ।	पत्थर की फ़्लोरिंग, सांस्कृतिक सूचना पट्ट लगाए गए।

2024-25

क्रम सं.	स्मारक/स्थल का नाम	सौंदर्यीकरण सहित किए गए विकास कार्य
1	**एरुम्बेश्वर मंदिर, थिरुवेरुम्बूर।**	**बुनियादी सुविधाएं जैसे पेयजल की सुविधा, पहाड़ी की चोटी पर बने स्मारक तक जाने वाली सीढ़ियों के लिए रेलिंग, पैदल चलने के लिए कॉयर मैट वगैरह।**
2	पार्थसारथी और कृष्ण मंदिर, पार्थिवपुरम	मौजूदा रास्ते पर पत्थर की बेंच, पत्थर के कूड़ेदान, और कर्ब स्टोन लगाए गए।
3	शैलकृत शिव मंदिर (पल्लव 8 वीं शताब्दी ईस्वी), मलयादिपट्टी।	बंद किए जाने वाला सुरक्षा केबिन प्रदान किया गया।
4	पहाड़ियों की पश्चिमी ढलान पर पंचपांडव तलों वाली गुफा और ऊपर सिकंदर मस्जिद के पीछे भी ऐसी ही तलहटी, थिरुप्परनकुनराम	बंद किए जाने वाला सुरक्षा केबिन।
5	तिरुपरंकुनराम रॉक, थिरुप्परनकुनराम के दक्षिणी किनारे पर चट्टान काटकर बनाई गई गुफा और शिलालेख।	
6	ऐरावतेश्वर मंदिर, दारासुरम	पत्थर की बेंच, सांस्कृतिक सूचना पट्ट, आरओ के पीने के पानी का कियोस्क, पत्थर की रिवेटमेंट दी गई।
7.	वेल्लोर किला, वेल्लोर	म्यूज़ियम की ओर ग्रेनाइट पत्थर का रास्ता और पेरियार पार्क में इंटरलॉक रास्ता
8.	कैलाशनाथ मंदिर, कांचीपुरम	पत्थर के फर्श का रास्ता
9.	अपथसहायेश्वर मंदिर, थेन्नेरी	पत्थर के फर्श का रास्ता
10.	चेन्नाराय पेरुमल मंदिर (अधियामनकोट्टई), धर्मपुरी।	पत्थर के फर्श का रास्ता
11।	नरसिंहस्वामी मंदिर और रंगनाथ स्वामी मंदिर, नमकल	हैंड रेलिंग उपलब्ध कराना

2025-26

क्रम सं.	स्मारक/स्थल का नाम	सौंदर्यीकरण समेत विकास कार्य किए गए
1	**एरुम्बेश्वर मंदिर, थिरुवेरुम्बूर।**	**पहाड़ी की चोटी पर बने स्मारक तक जाने वाली सीढ़ियों के लिए पीने के पानी की सुविधा, हैंड रेलिंग जैसी बुनियादी सुविधाएं।**
2	शैलकृत शिव मंदिर (पल्लव 8 वीं शताब्दी ईस्वी), मलयादिपट्टी।	बंद किए जाने वाला सुरक्षा केबिन प्रदान किया गया।
3	पहाड़ियों की पश्चिमी ढलान पर पंचपांडव तलों वाली गुफा और ऊपर सिकंदर मस्जिद के पीछे भी ऐसी ही तलहटी, थिरुप्परनकुनराम	बंद किए जाने वाला सुरक्षा केबिन।
4	बृहदीश्वर मंदिर, गंगईकोंडा चोलपुरम	
5.	कृष्णगिरी पर - दो अनाज के भंडार, घी रखने का कुआँ, तेल रखने का कुआँ, दो मंदिर और एक दर्शक कक्ष, जिंजी	सुरक्षा नोटिस बोर्ड और सूचना बोर्ड की स्थापना (साइट प्लान)
6.	राजगिरि पर – दो अन्नागार, एक पत्रिका, ध्वजदंड, रंगनाथ मंदिर, कमलाकन्निअम्मन मंदिर और उसके सामने बलि का स्लैब, एक बड़ी तोप, एक खजाना और एक दर्शक हॉल, जिंजी।	सांस्कृतिक सूचना पट्ट लगाना।

*****